

केंद्रीय बजट में आयुष क्षेत्र को मिला बढ़ावा, क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कहा, सतत विकास के नए रास्ते खुलेंगे

केंद्रीय बजट में आयुष क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं जिनको यह क्षेत्र एक साथ लाकर और उनका फायदा उठाकर लंबी अवधि के लिए सतत विकास के पथ पर चल सकता है। आयुष क्षेत्र के लिए बजट की व्याख्या करने वाले विशेषज्ञों के एक पैनल ने यह बात कही है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सोमवार को पेश किए गए बजट 2021-22 में अगले वित्त वर्ष के लिए आयुष मंत्रालय को 2,970.30 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जो चालू वित्त वर्ष के लिए आवंटित रकम (2122.08 करोड़ रुपये) से 40 प्रतिशत अधिक है। इसके आगे संशोधित आवंटन को देखें तो मौजूदा वित्त वर्ष के 2322.08 करोड़ रुपये के मुकाबले 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आयुष क्षेत्र पर वर्तमान केंद्रीय बजट के प्रभाव को समझने और हितधारकों को समझाने के लिए डिजिटल मोड में आयुष मंत्रालय ने 4 फरवरी 2021 को “आयुष क्षेत्र के लिए केंद्रीय बजट 2021-22 के अर्थ” विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। उद्योग, सेवा क्षेत्र, मीडिया, सरकार और आयुष प्रैक्टिसनर के प्रतिनिधि चर्चा में शामिल हुए, जिसे 6 फरवरी 2021 को विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से स्ट्रीम किया गया था।

श्री रंजीत पुराणिक एमडी और सीईओ, श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड और आयुष उद्योग के एक प्रतिनिधि का विचार था कि बजट एक नीति निरन्तरता का हिस्सा है जिसमें आयुष उद्योग, आयुष मंत्रालय और सेक्टर के अन्य हितधारकों द्वारा हाल के दिनों में किए गए कई विचार शामिल हैं। उन्होंने बजट के विभिन्न बिंदुओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आयुष क्षेत्र में वैज्ञानिक अध्ययन में वृद्धि होगी और आयुष को एक मेडिकल स्ट्रीम के रूप में प्रोत्साहन दिया जाएगा।

उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा औषधीय पौधों से संबंधित पिछड़े एकीकरण परियोजनाओं के लिए 4000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। उन्होंने कहा कि लगभग 8800 इकाइयां भारत में आयुष उद्योग का हिस्सा हैं और वे विभिन्न प्रोत्साहन प्रावधानों को भुनाने के लिए तैयार हैं जो यह बजट उद्योग को प्रदान करता है।

आयुर्वेड हॉस्पिटल के एमडी और सीईओ और सीआईआई आयुर्वेद समूह के अध्यक्ष, श्री राजीव वासुदेवन ने आयुष क्षेत्र के लिए परिव्यय में वृद्धि का स्वागत करते हुए कहा कि बड़ी तस्वीर बड़े स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए एकीकृत दृष्टि में निहित है (जिसमें आयुष एक हिस्सा है) जिसपर पिछले कुछ बजटों में विशेष ध्यान दिया गया है। साल दर साल स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए बजट आवंटन में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन बढ़ते आवंटन में अंतर्निहित एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली का दृष्टिकोण है। उन्होंने संकेत दिया कि इस बजट से आयुष सेक्टर ज्यादा फंड प्राप्त कर सकता है जो

उप-क्षेत्रों के लिए आवंटित आवंटन से परे है। यहां तक कि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन जैसी लक्ष्य-निर्धारित परियोजना, जिसके 5 वर्षों के लिए 10,000 करोड़ आवंटित हैं, आयुर्वेद क्षेत्र के लिए एक संभावित उत्प्रेरक बन सकते हैं क्योंकि इस आवंटन का एक छोटा सा हिस्सा आयुर्वेद के कुछ क्षेत्रों में विश्व स्तर के साक्ष्य का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त है। कुछ और आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए, श्री वासुदेवन ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर आयुष मंत्रालय में बढ़ती धनराशि इस बात का संकेत है कि आयुष स्वास्थ्य सेवाएं भारत के बढ़ते शॉफ्ट पॉवर में कैसे योगदान दे रही हैं। आयुष वितरण प्रणालियों पर खर्च पिछले वर्ष में 122 करोड़ रुपये से बढ़कर इस वर्ष 299 करोड़ रुपये हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप जमीनी स्तर पर लाभ में वृद्धि हुई है। सेवा क्षेत्र योजना में चैंपियंस के लिए आवंटन राशि में जोरदार वृद्धि की गई है। पिछले वर्ष में 15 करोड़ रुपये के मुकाबले चालू वर्ष में 150 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं क्योंकि यह वैश्विक परिप्रेक्ष्य में प्रतिस्पर्धा हासिल करने में सेक्टर की मदद करता है।

डॉ. गीता कृष्णन, एक आयुर्वेद विशेषज्ञ जो वर्तमान में डब्ल्यूएचओ की पारंपरिक चिकित्सा इकाई में तकनीकी अधिकारी के रूप में काम कर रही हैं, ने बताया कि यह बजट आयुष क्षेत्र के लिए “विकास और निरंतरता” के रूप में प्रतिनिधित्व करता है। आयुष के लिए परिव्यय की 300 प्रतिशत वृद्धि में निर्णायक वृद्धि को समझाते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान बजट किस प्रकार देश के समग्र विकास पैटर्न में क्षेत्र को एकीकृत करता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 का असर पिछले 3 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सरकार की अगुवाई वाली वृद्धि में दिखाई दिया है, और इससे आयुष सिस्टम को तेजी से बढ़ने और सहायता प्राप्त वित्त पोषण प्राप्त हुई है। उन्होंने उल्लेख किया कि विकास के निर्माण खंडों में जगह बन रही है और इस बात पर जोर दिया गया है कि आयुष के लिए हर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का हिस्सा बनना महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय योग आसन खेल महासंघ के उपाध्यक्ष श्री उदित शेठ की प्रतिक्रिया ज्यादातर योगासन और खेल के दृष्टिकोण से थे। उन्होंने कहा कि बजट में योगासन को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक बल मिला है। वर्तमान समय में भारतीय अर्थव्यवस्था के एक क्षेत्र के रूप में आयुष के बढ़ते प्रभाव में कोई संदेह नहीं है, लेकिन यह केंद्रीय बजट उससे भी आगे की सोच रखता है। इसने इस सेक्टर को बल प्रदान और नया रास्ता दिखाने का काम किया है। अब इस सेक्टर के लिए अवसरों को हथियाने और भारतीय पारंपरिक चिकित्सा को दुनिया में ले जाने का समय है। आयुष को एक आकर्षक मंच बनाकर, हमारी शिक्षा और संस्कृति का निर्यात किया जा सकता है और भारत एक कल्याण केंद्र बन सकता है।

चर्चा में शामिल होते हुए अमर उजाला के वरिष्ठ समाचार संपादक, श्री शशिधर पाठक ने फिटनेस और तनाव मुक्त जीवन जैसे शब्दों पर जोर दिया और इन्हें प्राप्त करने में आयुष की भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने कोविड-19 के दौरान आयुष की स्वीकृति के बारे में बात की और कहा कि वर्तमान बजट पारंपरिक चिकित्सा के लिए बढ़ते अवसरों का मार्ग बनाता है। सशक्त उद्यमी माहौल से परे जाकर, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए भी पर्याप्त प्रोत्साहन मिलेगा और इससे आयुष को वैश्विक स्तर पर जनता का विश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्हें विश्वास था कि कृषि क्षेत्र के लिए बजट प्रावधान, विशेष रूप से कृषि आय को बढ़ावा देने की पहल से औषधीय पौधों की खेती में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

श्री पाठक का यह भी मत था कि बजट में विभिन्न प्रावधान थे, जिन्हें योग के प्रचार के लिए टैप किया जा सकता था, यह देखते हुए कि योग में जीवन के लगभग हर क्षेत्र से लाभार्थियों का एक व्यापक स्पेक्ट्रम है।

डॉ. जे.एल.एन. शास्त्री, सीईओ, नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड, जिन्होंने पैनल को मॉडरेट किया ने समृद्ध चर्चाओं को लेकर खुशी व्यक्त की और विशेषज्ञों को चर्चा में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया। बजट में किए गए प्रावधान किसी तरह के सीमा से बंधे हुए नहीं हैं और आयुष क्षेत्र ने उन अवसरों के अंतर-जुड़े बुनाई को समझने और उपयोग करने के लिए परिपक्वता हासिल कर ली है। पैनल की ओर से निवेश के अवसरों, वैज्ञानिक अध्ययन और आयुष की सक्रिय ब्रांडिंग की ओर प्रमुख बिंदुओं को रेखांकित किए गए। तेजी से उभरता हुआ उद्यमी वातावरण, जिसमें बजट ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, योग और आयुर्वेद की व्यापक वैश्विक स्वीकृति के पहले से ही दिखाई देने वाली प्रवृत्ति के अनुरूप, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा को दुनिया में ले जाने की बहुत अधिक क्षमता रखता है।